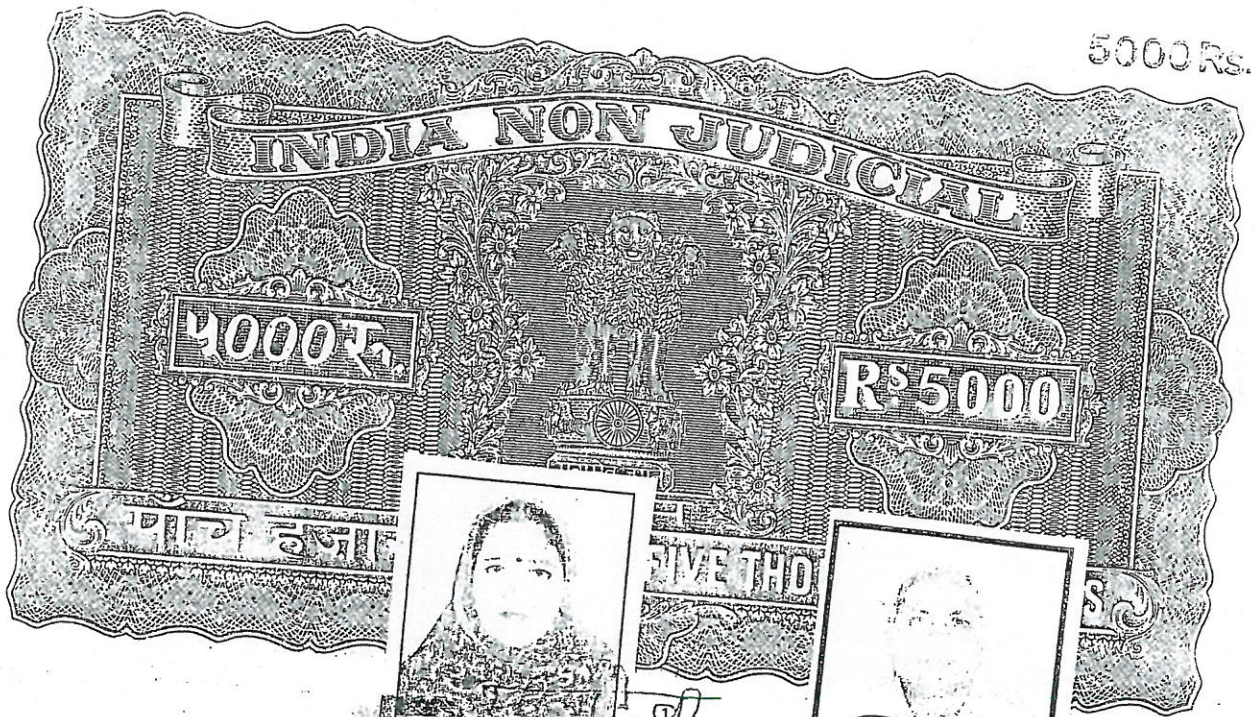


5000Rs.



हम कि श्री नरायन पुत्र श्री तोताराम व राजीव कुमार पुत्र श्री हरीऔम निवासी फ़ौहाबाद शहर आगरा व श्रीमती सीतादेवी पत्नी श्री वीरपाल सिंह निवासी मोहन नगर नगला रामबल तहसील व जिला आगरा वहेतियत मुख्तारनामा मिन जानिव श्रीमती वीरेन्द्र कुमारी पत्नी श्री विनोद कुमार निवासी नगला धानी तहसील फ़ौहाबाद जिला आगरा मुख्तारनामा पर्जीकृत दिनकि 04-04-2003 ई0 जिसका कि पर्जीकरण कायलिय सब रजिस्टार आगरा के यहाँ पर वही नम्बर 4 जिल्ल 845 के पृष्ठ 173/178 पर क्रम संख्या 249 पर दि0 04-04-2003 ई0 को विधिवत पर्जीकृत है, उपरोक्त मुख्तारनामा आज तक कायम व बरकरार है तथा कही पर खण्डित व चेअरर नहीं हुआ है जिसकी बावत मु० प्रथमपक्ष को समस्त प्रकार के अधिकार विक्रय आदि के विधिवत प्राप्त है का हूँ ----- प्रथमपक्ष विक्रेता।

Handwritten signature/initials.

Handwritten signature.

सीता देवी

Handwritten signature.



9346

131

श्री बालाजी सहकारी आवास समिति लि० आगरा पंजीकरण संख्या
1213 दि० 13-05-88 ई० वैहिसयत सचिव श्री बनवारी लाल पुत्र
श्री रोगल लाल निवासी ग्राम ककरेठा तहसील व जिला आगरा।
----- द्वितीयपक्ष क्रेता।

जो कि आराजी वाकै ग्राम ककरेठा तहसील व जिला
आगरा खाता खतौनी के मुताबिक खाता क्रमांक 92 व खसरा संख्या
188 व रकवा 0. 127 हैक्टेयर व खसरा संख्या 189 व रकवा 0. 219
हैक्टेयर व खसरा संख्या 269 व रकवा 0. 277 हैक्टेयर कुल कितना
तीन कुल रकवा 0. 623 हैक्टेयर जिसकी माल गुजारी 4 रूपया 30 पैसे
सालाना है जो सन 1406 फसली से सन 1411 फसली तक जो कि
सकृमणीय भूमिधरी है। के मालिक मैं पृथक्पृथक् व नामवुर्दा मौसूफान
ही चले आते है और हमारा ही नाम सरकारी कागजात खतौनी में
वैहिसयत सकृमणीय भूमिधरी के दर्ज चला आता है जिसमें सिवाय
हमारे अन्य कोई दीगर हकदार व हिस्सेदार वगैरा कितनी प्रकार का

—
L.R.

—
Lajla

शीला देवी

—
Bansari Lal

5000Rs.



9377

141

नही है जो कि माने किसी प्रकार के इन्तकाल वगैरा का हो दे और जो आज तक मुझ प्रथमपक्ष व नामवुर्दा मौसूफान की तरफ से हर प्रकार के कर्जे, जेर, जमानत, नीलामी, रहन, वैय, हिद्वै, व हर प्रकार की देनदारियों व जिम्मेदारियों वगैरा से कतई तौर पर पाक व साफ है, अगर खिलाफ इसके कुछ जाहिर या साबित हों तो मैं मुक़र प्रथमपक्ष व नामवुर्दा मौसूफान नतायज कानूनी के जिम्मेदार होंगा।

लिहाजा हम विक्रेता प्रथम व द्वितीय मुक़र स्वयं व तृतीय व हैसियत मुह्तारेआम के विक्रीत आराजी का विक्रय करना वास्ते जरूरत अपनी के स्वीकार है, लिहाजा हम प्रथमपक्षगण स्वयं व नामवुर्दा मौसूफान खूब सोच व समझकर बिना बहकाये व सिखाये व बिना दबाव किसी नाजायज के न खाये पीये किसी मादक पदार्थ के पूर्ण होश हवाश के साथ विक्रीत आराजी का विक्रय समस्त हक व हकूक

Handwritten signature/initials.

Handwritten signature.

सात देवी

Handwritten signature.



9058

151

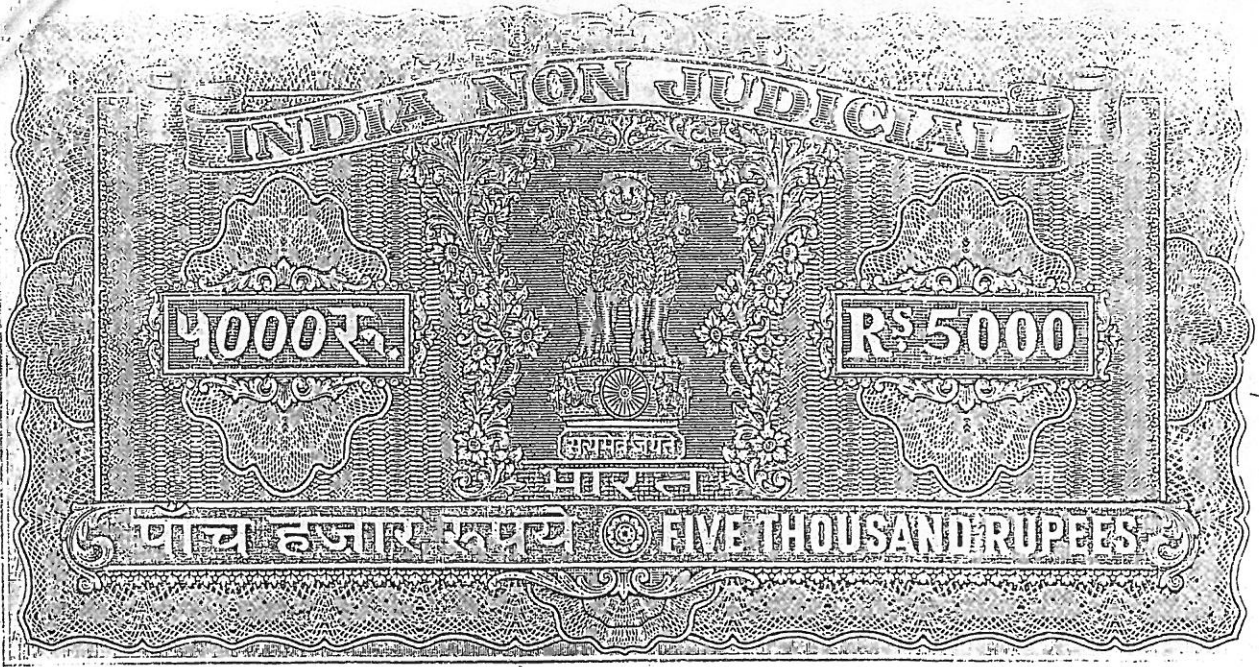
के साथ विल एवज मुवलिग- 27, 00, 000/- सत्ताईस लाख रुपया
 कि आधे जिसके मुवलिग- 12, 50, 000/- तेरहलाख पचास हजार
 रुपया होते है में बदेस्त श्री बालाजी सहकारी आवास समिति लि०
 आगरा पंजीकरण संख्या 1213 दि० 13-05-88 ई० वहीतयत सचिव
 श्री बनवारी लाल पुत्र श्री रोशन लाल निवासी ग्राम ककरेठा तहसील
 व जिला आगरा क्रेता द्वितीयपक्ष समिति से वैय कतई की और बेच
 दी और कीमत का कुल रुपया इस प्रकार प्राप्त किया कि मुवलिग-
 9, 00, 000/- नौ लाख रुपया बजरिए एकाउण्ट पेई चैक नम्बरी -
 001112 दि० 16-11-2005 ई० द्वारा उत्तर प्रदेश कोपरेटीव बैंक
 लि० शाखा बेलनगंज आगरा का चैक श्री श्रीनरायण गुप्ता विक्रेता
 प्रथमपक्ष ने प्राप्त किया व मुवलिग 9, 00, 000/- नौ लाख रुपया
 चैक नम्बरी 001117 दि० 16-12-2005 ई० द्वारा उत्तर प्रदेश
 कोपरेटीव बैंक लि० शाखा बेलनगंज शहर आगरा का चैक विक्रेता
 मुकिर नम्बर दो श्री राजीव कुमार उक्त ने प्राप्त किया व मुवलिग-

सीता देवी

रि.

Sambhar Lal

3266



161

9,00,000/- नौ लाख रुपया चैक नम्बरी 001118 दिनांक - 16-12-2005 ई0 द्वारा उत्तर प्रदेश कोपरेटिव बैंक लि0 शाखा बेलनगंज आगरा का चैक विक्रेता मुकिरानम्बर तीन श्रीमती सीता देवी ने वहैसियत मुख्तारेआम के प्राप्त किया इस प्रकार कीमत का कुल रुपया मुवलिग- 27,00,000/- सत्ताईस लाख रुपया हम प्रथमपक्षण स्व नामवुर्दा मौतूफान ने प्राप्त कर लिया है, अब कुछ पाना या लेना बाकी नहीं रहा है और न भविष्य में होगा।

लिहाजा मौके पर विक्रीत आराजी पर कब्जा व दखल क्रेता द्वितीयपक्ष समिति का करा दिया और मालिक व मुस्तकिल बना दिया अब द्वितीयपक्ष समिति को हक व अधिकार है कि वह विक्रीत आराजी से वहैसियत मंगीलकाना फायदा उठावे तथा वक्त जरूरत पडने पर चाहे जिस दीगर व्यक्ति से उसका रहन वैय हिदै आदि जो चाहे सो करे उग्र न होगा। क्रेता द्वितीयपक्ष समिति विक्रीत आराजी की बाबत अपने नाम का नामांकन सरकारी विभाग में जरिये बैनामा हाजा दर्ज करा लेवे जिसमे प्रथमपक्षण व

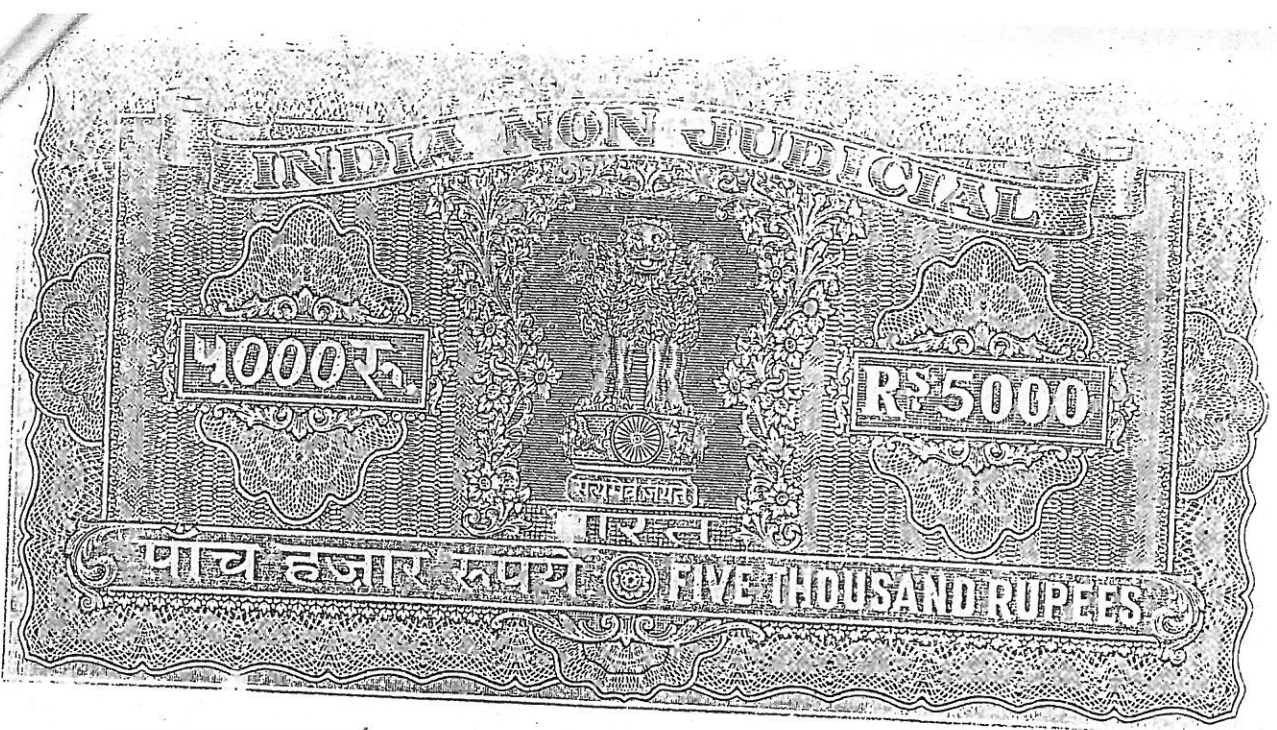


Signature

सीता देवी

Signature

3265




नामवुर्दा मसूफ
 ...
 ...


171

नामवुर्दा मसूफ अपनी अपनी पूर्ण रजामन्दी प्रदान करते है, यदि भविष्य में कोई कोमी या खानदानी या नीज या हमारा कोई वारिस किसी प्रकार का किफालतदार पैदा होकर क्रेता द्वितीयपक्ष समिति से किसी प्रकार का वाद विवाद या झगडा विक्रीत आराजी की बाबत उत्पन्न करता है या जिसकी वजह से या किसी दीगर वजह से द्वितीयपक्ष समिति के हक व अधिकार से विक्रीत आराजी का जुज या कुल भाग निकली जावे या किसी को कुछ रूपया अटा या देना पडे या बैनामा हाजो में कोई कानूनी कमी पायी जावे तो ऐसी तमाम सूरती मे उसकी समस्त बढायगी मय सूद हर्जा व खर्चा व लागत आयन्दा प्रथमपक्षण व नामवुर्दा मसूफ एवं हमारे वारिसान की होगी तथा ऐसी प्रत्येक दशा में क्रेता समिति को हक व अधिकार होगा कि वह अपना जरे समन प्रथमपक्षण व नामवुर्दा मसूफ से चाहै जिस प्रकार वसूल करे लजिसमे प्रथमपक्षण व नामवुर्दा मसूफ एवं हमारे वारिसान को कोई उज्र व स्तराज नही होगा। विक्रीत

सी ला देकी

[Handwritten signature]


[Handwritten signature]

Bombardal



3264



संभाषण सं. आगरा
18/05/2005

/8/

आराजी पर वर्तमान में खेती हो रही है तथा विक्रेता एवं क्रेता दोनों पक्ष अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं है और दोनों पक्षों के पास सम्पूर्ण भारत वर्ष में साठे बारह एकड़ से अधिक भूमि नहीं है।

मुकदमे यह है कि उपरोक्त आराजी की बाबत प्रथमपक्ष ने एक इकरारनामा मुआहिदावैय नोटरीज दि० 18-05-2004 ई० को द्वितीयपक्ष समिति से मुवलिय 10,00,000/- दस लाख रुपया प्रति बीघा के हिसाब से तय व पक्का किया था।

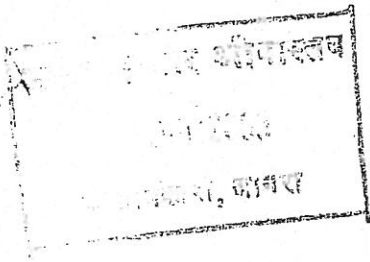
Signature
श्री लक्ष्मी देवी श्री आराजी पर...

Signature

Signature
Bambani Lal
परिच

2103



/9/

तथा विक्रीत आराजी नजूल व राजकीय आस्थान की सम्पत्ति नहीं है और सीलिंग विभाग द्वारा अधिगृहित नहीं की गयी है और विक्रीत आराजी पर किसी प्रकार का कोई मुआवजा आदि नहीं लिया गया है तथा विक्रीत आराजी का विक्रय गुडटाईटल की गारण्टी के साथ क्रेता समिति के हक में किया जा रहा है तथा खर्चा बैनामा क्रेता समिति ने खुद वहन किया है।

Key



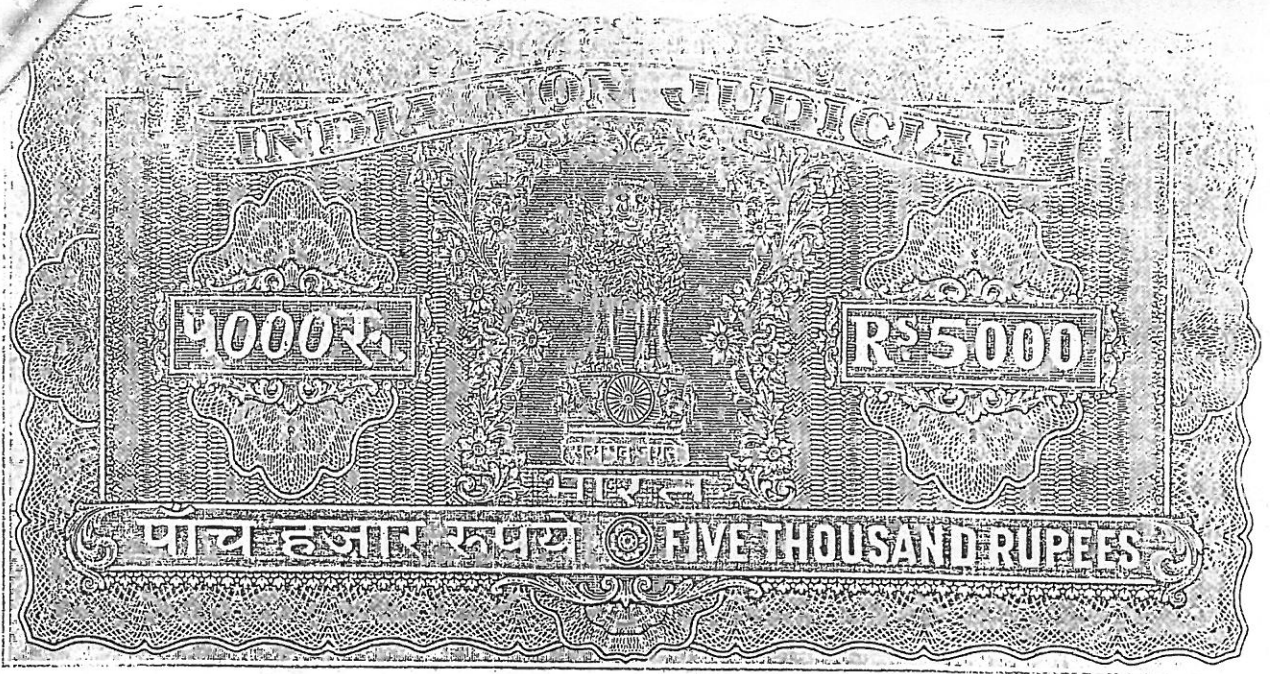
Shri 1083



श्री बाबूजी सर...

Bambani Lal
लाल

9108



अमल सुमार धीवास्तव
13 DFC 2005
धोवापकारी, जागरा

/10/

लिहाजा यह बैनामा हस्व निर्देश पक्षारान के लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवे तहरीर तारीख 16-12-2005 ई0 व मसौदा वीरेन्द्र सिंह यादवेन्दु रञ्जोकेट व टायप वाई मोहित कुमार सदर तहसील आगरा।

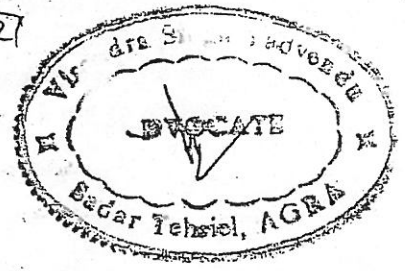
सीता देवी

Bambhani Lal
राजिद



अवाए- सुमाय जेनेसी श्री भवट लाल पाँर
शं 9 LIC कालिनी मैथाना शेड बावरी

Handwritten signature



अवाए वीरेन्द्र सुमाकी लाल विनाय कुमल
शं 10 नजला घन्नी तं अवेदबाप बावरी

अवाए सुमाकी



5002
 (पुराने रजिस्टर विज्ञापित)
 लाइसेंस नं. 5
 लाइसेंस की अवधि- 31 मार्च 2006
 अधिकृत अधिकारी का स्थान
 सहर तहसील कागरा



106
 16-12-05
 16-12-05

वा. नं. 569/05
 दि. 3-3-06

क. नि. 5
 10/12/05

71

राजाजी नं. 100/10
 राजाजी नं. 100/10
 दो लाख की कीमत पर साठ सौ लखानी नं. 10
 500000 रुपये का पाउरी नं. 100/10
 20027-10
 27 दि. 10/10/05
 3/10/06

3/10/06
 5328
 341/362
 5125

31/07/06
 31/07/06

31/07/06